



# चजानीति : यथा द्यजा, तथा प्रजा

दैनिक समाज जागरण

क्या दुनिया युद्ध से मोक्ष पा सकती है ? क्या दुनिया के पास युद्ध के तर्पण कोई कोई विधि है ? जबाब मिलेगा शायद नहीं। अगर ऐसा कुछ होता तो धरती पर युद्ध होते ही नहीं। युद्ध को लेकर एक और तथ्य काविले गैर ये है कि युद्ध के वासर अराफात और भारत की समय युद्धरत देश के राजा और प्रजा का रिश्ता थी एक जैसा होता है। यदि नेतृत्व कमज़ोर है तो युद्ध अवश्यमधीय हो जाता है और यदि नेतृत्व मजबूत है तो न युद्ध होता है और न वाक्युद्ध। वाक्युद्ध को 'शीतयुद्ध' भी कहते हैं।

फिलस्तीन और इजराइल के बीच युद्ध का कोई पहला मामला नहीं है। इजराइल भी भारत की तरह अपनी आजादी का अमृतकाल मना रहा है किन्तु उसे यहां तक आते - आते लगातार युद्धों का सामना करना पड़ा है। इजराइल अपने पड़ोसी देश के साथ 10 युद्ध लड़ चुका है। ये ग्राहरवां युद्ध हैं और शायद अब तक का सबसे ज्यादा विनाशकारी भी। इस विनाशकारी युद्ध में दोनों पक्षों के हजारों नारायिक मरे जा चुके हैं। ये सिलसिला धमने में कितना वक्त और लगेगा, ये कोई नहीं जानता। इजराइल के मौजूदा प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यकाल का शायद ये चौथा युद्ध है।

इजराइल के साथ भारत के रिश्ते नए नहीं हैं लेकिन उनमें नरपी-गर्मी होती रहती है। भारत ने वर्ष 1950 में इजरायल को आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी थी, लेकिन दोनों देशों द्वारा 29 जनवरी, 1992 को ही पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित किये गए। भारत दिसंबर 2020 तक इजरायल के साथ राजनयिक संबंध खरें वाले 164 संयुक्त राष्ट्र सदस्य राज्यों में से एक था। भारत ने अपनी पारम्परिक विदेशनीति पर चलते हुए इजराइल के पुश्टैनी शत्रु फिलस्तीन के साथ भी अपने रिश्ते बनाये और इजराइल से पहले बनाये। भारत फिलस्तीन मुक्ति संघटन के अधिकार को "फिलिस्तीनी लोगों का एकमात्र वैध प्रतिनिधि" के रूप में सम्बलीन रूप से मान्यता देने वाला पहला गैर-अखब देश था। मार्च 1980 में पूर्ण राजनयिक संबंधों के साथ 1975 में भारतीय राजधानी में एक पीएलओ कार्यालय स्थापित किया गया था। भारत ने 18 नवंबर 1988 को घोषणा के बाद फिलिस्तीनी की राज्यता को मान्यता दी थी हालांकि भारत और पीएलओ

के बीच संबंध पहली बार 1974 में स्थापित हुए थे। बात यथा राजा, तथा प्रजा की हो रही थी। भारत के इजराइल और फिलिस्तीन से रिश्तों के बावजूद भारत की जनता हमेशा फिलिस्तीन के साथ खड़ी दिखाई दी।

फिलिस्तीन के तत्कालीन प्रमुख वासर अराफात और भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की दोस्ती शायद इसकी परवाह भी नहीं करते।

इजराइल - हमास संघर्ष के दौरान भारत सरकार अपना काम कर रही है। भारतीयों को युद्ध की आग में झुलसे इजराइल से बाहर निकलने के लिए भारतीय विमान लगातार उड़ाने भर रहे हैं। इसकी स-रहना की जाना चाहिए। युद्ध पंत प्रधान कैलाश दर्शन पर हैं। वे वहां डमरू बजा रहे हैं। शंख फूंक रहे हैं। ये देखकर बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि ये सब एक बेफिक्र नेता की निशानियां हैं। हमरे पंत प्रधान की यही बेफिक्री देश - दुनिया ने तब भी देखी जब भारत का अभिन्न अंग मणिपुर जल रहा था।

भारत कभी भी हिंसा का, आतंकवाद का समर्थक नहीं रहा। भारत की विदेशनीति का आधार गुट निरपेक्षता और अर्थात् इजराइल के साथ खड़े दिखाई नहीं दे रहे, और शायद अब तक का सबसे ज्यादा विनाशकारी भी।

मौजूदा इजराइल - फिलिस्तीन युद्ध में दोनों पक्षों के हजारों नारायिक मरे जा चुके हैं। ये सिलसिला धमने में कितना वक्त और लगेगा, ये कोई नहीं जानता। इजराइल के

मौजूदा प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यकाल का शायद ये चौथा युद्ध है।

इजराइल के साथ भारत के रिश्ते नए नहीं हैं लेकिन उनमें नरपी-गर्मी होती रहती है।

भारत ने वर्ष 1950 में

इजरायल को आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी थी, लेकिन दोनों देशों द्वारा 29 जनवरी, 1992 को ही पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित किये गए।

भारत दिसंबर 2020 तक इजरायल के साथ राजनयिक संबंध खरें वाले 164 संयुक्त राष्ट्र सदस्य राज्यों में से एक

था। भारत ने अपनी पारम्परिक विदेशनीति पर चलते हुए

इजराइल के पुश्टैनी शत्रु फिलिस्तीन के साथ भी अपने

रिश्ते बनाये और इजराइल से पहले बनाये। भारत फिलिस्तीन मुक्ति संघटन के अधिकार को

"फिलिस्तीनी लोगों का एकमात्र वैध प्रतिनिधि"

के रूप में सम्बलीन रूप से मान्यता देने वाला पहला गैर-अखब देश था। मार्च 1980 में पूर्ण राजनयिक संबंधों के साथ 1975 में भारतीय राजधानी में एक पीएलओ कार्यालय स्थापित किया गया था। भारत ने 18 नवंबर 1988 को घोषणा के बाद फिलिस्तीनी की राज्यता को मान्यता दी थी हालांकि भारत और पीएलओ

के बीच संबंध पहली बार 1974 में स्थापित हुए थे। बात यथा राजा, तथा प्रजा की हो रही थी। भारत के इजराइल और फिलिस्तीन से रिश्तों के बावजूद भारत की जनता हमेशा फिलिस्तीन के साथ खड़ी दिखाई दी।

फिलिस्तीन के तत्कालीन प्रमुख वासर अराफात और भारत की जनता हमेशा फिलिस्तीन के साथ खड़ी दिखाई दी।

इजरायल - हमास संघर्ष के दौरान भारत सरकार अपना काम कर रही है। भारतीयों को युद्ध की आग में झुलसे

इजरायल से बाहर निकलने के

लिए भारतीय विमान लगातार

उड़ाने भर रहे हैं।

इसकी स-रहना की जाना चाहिए।

युद्ध पंत प्रधान कैलाश दर्शन पर हैं।

वे वहां डमरू बजा रहे हैं।

शंख फूंक रहे हैं।

ये देखकर बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि ये सब एक बेफिक्र

नेता की निशानियां हैं।

हमरे पंत प्रधान की यही बेफिक्री देश - दुनिया ने तब भी देखी जब भारत का अभिन्न अंग मणिपुर जल रहा था।

भारतीय विमान लगातार

उड़ाने भर रहे हैं।

इसकी स-रहना की जाना चाहिए।

युद्ध पंत प्रधान कैलाश दर्शन पर हैं।

वे वहां डमरू बजा रहे हैं।

शंख फूंक रहे हैं।

ये देखकर बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि ये सब एक बेफिक्र

नेता की निशानियां हैं।

हमरे पंत प्रधान की यही बेफिक्री देश - दुनिया ने तब भी देखी जब भारत का अभिन्न अंग मणिपुर जल रहा था।

भारतीय विमान लगातार

उड़ाने भर रहे हैं।

इसकी स-रहना की जाना चाहिए।

युद्ध पंत प्रधान कैलाश दर्शन पर हैं।

वे वहां डमरू बजा रहे हैं।

शंख फूंक रहे हैं।

ये देखकर बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि ये सब एक बेफिक्र

नेता की निशानियां हैं।

हमरे पंत प्रधान की यही बेफिक्री देश - दुनिया ने तब भी देखी जब भारत का अभिन्न अंग मणिपुर जल रहा था।

भारतीय विमान लगातार

उड़ाने भर रहे हैं।

इसकी स-रहना की जाना चाहिए।

युद्ध पंत प्रधान कैलाश दर्शन पर हैं।

वे वहां डमरू बजा रहे हैं।

शंख फूंक रहे हैं।

ये देखकर बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि ये सब एक बेफिक्र

नेता की निशानियां हैं।

हमरे पंत प्रधान की यही बेफिक्री देश - दुनिया ने तब भी देखी जब भारत का अभिन्न अंग मणिपुर जल रहा था।

भारतीय विमान लगातार

उड़ाने भर रहे हैं।

इसकी स-रहना की जाना चाहिए।

युद्ध पंत प्रधान कैलाश दर्शन पर हैं।

वे वहां डमरू बजा रहे हैं।

शंख फूंक रहे हैं।

ये देखकर बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि ये सब एक ब











## कन्या मध्य विद्यालय नवीनगर मे अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित किया गया कार्यक्रम

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवादाता नवीनगर (औरंगाबाद)

नवीनगर (बिहार) 13 अक्टूबर 2023 नगर पर्यायत क्षेत्र के बार्ड 8 मे स्थित कन्या मध्य विद्यालय नवीनगर मे अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बेटी बच्चों बेटी पढ़ाओ के तहत छात्राओं द्वारा नुकङ्गी नाटक, भाषण और पैटेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाषण मे सानाली कुमारी और कुमारी जबाकुमारी नुकङ्गी नाटक मे आंचल कुमारी, सिंपें कुमारी, अमरपाली कुमारी, मधुरी कुमारी, ताना कुमारी, सुष्टि कुमारी, आरती कुमारी, कुमकुम कुमारी, शेठी कुमारी, हनी कुमारी, लाली कुमारी, अनन्ना कुमारी, रीती कुमारी, तनु कुमारी और मामा परवीन और सोनी कुमारी ने भाषण लिया जबकि पैटेंट मे अपरीन परवीन, तनु कुमारी, आंचल कुमारी, आंचल

कुमारी, तनु कुमारी, रिंगी कुमारी और अंगी कुमारी ने भाषण लिया। मैके पर उपस्थित प्रधानास्थापक देव बिहारी सिंह ने कार्यक्रम मे भाषण लेने है। इन्होंने कार्यक्रम मे सहयोग करने वाले शिक्षक शिक्षिका को भी धन्यवाद दिया।

मैके पर शारीरिक शिक्षक इंदल



वाली सभी छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए, कहा कि छात्राओं ने समारोह स्थान रही, सिद्धेश्वर सिंह, रामरेणु सिंह, सुनीता कुमारी, सुधा कुमारी, नीतू कुमारी, शिक्षा सेवक संजय दास एवम हीरा रजक सहित अन्य छात्राएं उपस्थित थी।

## संगठन आत्मीय संबंध के आधार पर विकसित होता है: नंद किशोर यादव

समाज जागरण

कार्यालय प्रभारी आनंद कुमार

भागलपुर बिहार भाजपा जिला

कार्यालय मे लिया अध्यक्ष संतोष

कुमार के अध्यक्षता मे संगठन

मजबूती को लेकर बैठक के गयी,

जिसमे पूर्व मंत्री बद्र पटना सहित

उनका सकारात्मक योगदान सुनिश्चित

जिला अध्यक्ष मुक्तिनाथ नियाद

जानकारी देना। घर घर भाजपा

कार्यकर्ता बनाना और प्रधानमंत्री श्री

नरेन्द्र मोदी जी के हाथों की मजबूत

बनाते हुए राष्ट्र के नवीनीर्माण मे

उनका सकारात्मक योगदान सुनिश्चित

जिला अध्यक्ष गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।

विद्यालय एचएम विनोद करते हुए

सिंह, रामेश सिंह, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे

दर्जनों छात्राओं ने भाषण लिया।







